अमर उजाला 15-10-2024

वर्कशॉप प्रयोगशाला का सीजन-एक शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। छावनी के जीएमएन कालेज में कॉरपोरेट रिसोर्स सेंटर की ओर से तीन दिवसीय वर्कशॉप प्रयोगशाला सीजन एक का शुभारंभ किया। वर्कशॉप के पहले दिन का विषय रिज्यूम राइटिंग और इंटरव्यू स्किल्स रहा। प्रो. जस्मिता ने विद्यार्थियों को सत्र के बारे में बताया।

डॉ. कमलप्रीत कौर ने बीसीए तृतीय वर्ष, एमसीए, बीएससी तृतीय वर्ष और एमएससी के विद्यार्थियों को रिज्यूमे राइटिंग की बारीकियों के बारे में बखूबी समझाया और साथ ही इंटरव्यू के दौरान किन किन बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। इस बात पर भी प्रकाश डाला। मैनेजमेंट विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. भारती विज ने बताया कि रिज्यूमे एक औपचारिक दस्तावेज है।

इसे नौकरी के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति किसी पद के लिए अपनी योग्यताओं को सूचीबद्ध करने के लिए बनाता है। इसमें आमतौर पर कार्य अनुभव, शिक्षा, कौशल और कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी शामिल होती है।

छावनी के जीएमएन कालेज में तीन दिवसीय वर्कशॉप में भाग लेते छात्र। संवाद

कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. श्याम रहेजा एवं डीन डॉ प्रबलीन कौर ने विद्यार्थियों को इंटरव्यू के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि, साक्षात्कार यानी कि इंटरव्यू के लिए अपना परिचय अच्छी तरह से तैयार करें, व्यक्तिगत पृष्ठभूमि की जानकारी जैसे गृहनगर, परिवार के सदस्यों की संख्या आदि। अपनी शैक्षिक पृष्ठभूमि बताएं। अपनी व्यावसायिक योग्यता, वर्षों के अनुभव आदि के बारे में बात करें।

साइबर ठगों से सावधान रहने की सलाह : अंबाला। दिवाली त्योहार ऑफर के नाम पर ऑनलाइन साइबर ठग सक्रिय हो गए हैं। अंबाला पुलिस ने इसके लिए एडवाइजरी जारी की है। अंबाला पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया ने सावधान रहने के लिए कहा है।

उन्होंने कहा कि इस त्योहारी सीजन पर आमजन घर व निजी कार्य हेतु सामान की अधिकतर शॉपिंग ऑनलाइन करते हैं और पूर्ण जानकारी न होने के कारण अक्सर सोशल मीडिया पर ऑफर लोटरी के नाम पर साइबर ठगों का शिकार बन जाते हैं। सोशल मीडिया के दौर में बढ़ते साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों को ध्यान में रखते हुए जिला वासियों को सावधान रहने की जरूरत है।

साथ ही ऐसे मामलों की तत्काल सूचना देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर संभव है तो कोशिश करें कि ऑनलाइन साइट्स से सामान मंगवाते समय कैश ऑन डिलीवरी का ऑप्शन चुने ताकि आपकी बैंक और कार्ड डिटेल साइबर अपराधियों के हाथ न लग सके।

साइबर धोखाधड़ी जैसे अपराध की रिपोर्ट करने के लिए साइबर पुलिस स्टेशन जाकर पारंपरिक तरीके से एफआईआर करवाना व उसकी जांच होना एक लंबी प्रक्रिया है। ऐसे में तुरंत कार्रवाई के लिए हेल्पलाइन का विकल्प सबसे सर्वोत्तम माध्यम है।